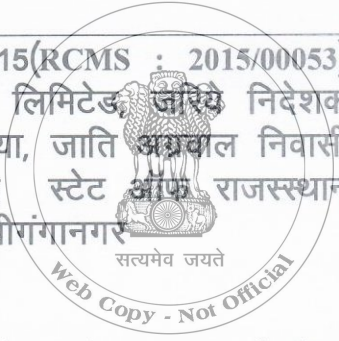


अपील पी.सी.पी.एन.डी.टी. प्रकरण संख्या 11/2015(RCMS : 2015/00053)
श्रीगंगानगर कैट स्कैन एण्ड हार्ट सैन्टर प्राईवेट लिमिटेड, जरिये निदेशक
डा. विशु टांटिया पुत्र स्व. डा. श्याम सुन्दर टांटिया, जाति अग्रवाल निवासी
2-ए-32-33, सुखाड़िया नगर, श्रीगंगानगर बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान
जरिये उपखण्ड प्राधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी, श्रीगंगानगर



03.07.2019

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी श्रीगंगानगर कैट स्कैन एण्ड हार्ट सैन्टर प्राईवेट लिमिटेड के अधिवक्ता उपस्थित नहीं हुए। श्रीगंगानगर कैट स्कैन एण्ड हार्ट सैन्टर प्राईवेट लिमिटेड के अधिवक्ता श्री बृज भूषण तिवारी दिनांक 02.07.2019 को उपस्थित हुए थे एवं नोटशीट के हाशिये पर नॉट प्रैस इस आशय की अंकित की है कि उन्होंने अपील दिनांक 21.05.2015 को अन्तर्गत धारा 21, गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक, अधिनियम, 1994, सपठित नियम 19, गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव निदान तकनीक नियमावली, 2003 के अन्तर्गत जो कि उपखण्ड अधिकारी, श्रीगंगानगर के आदेश दिनांक 26.02.2015 के विरुद्ध पेश की था, परन्तु अब इस प्रकरण वे अब कोई कार्यवाही नहीं चाहते हैं और यदि प्रकरण में इसी स्टेज पर कार्यवाही समाप्त कर दी जाती है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

मैंने उक्त तर्कों पर मनन किया एवं पत्रावली का अवलोकन किया तो पाया कि दिनांक 21.05.15 को यह अपील प्रार्थी श्रीगंगानगर कैट स्कैन एण्ड हार्ट सैन्टर प्राईवेट लिमिटेड के द्वारा धारा 21, गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक, अधिनियम, 1994, सपठित नियम 19, गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव निदान तकनीक नियमावली, 2003 के अन्तर्गत उपखण्ड समुचित प्राधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी, श्रीगंगानगर के आदेश दिनांक 26.02.2015 के विरुद्ध इस न्यायालय में दिनांक 21.05.2015 को की थी अब प्रार्थी के अधिवक्ता द्वारा यह प्रार्थना की गई है कि वे इस प्रकरण में किसी प्रकार से आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहते हैं इसलिए यदि इस प्रकरण को इसी आधार पर खारिज कर दिया जाता है तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

जिला कलेक्टर
श्रीगंगानगर

चूंकि अब अपीलार्थी श्रीगंगानगर कैट स्कैन एण्ड हार्ट सैन्टर प्राईवेट लिमिटेड इस प्रकरण में आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहता है, इसलिए उनके द्वारा धारा 21, गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक, अधिनियम, 1994, सपठित नियम 19, गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव निदान तकनीक नियमावली, 2003 के अन्तर्गत प्रस्तुत अपील दिनांक 21.05.2015 इसी आधार पर खारिज की जाती है। आदेश की प्रति उपखण्ड समुचित प्राधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी श्रीगंगानगर को भिजवाई जावे। पत्रावली बाद तरतीब तकमील दाखिल दफतर हो।

यह आदेश आज दिनांक 03.07.2019 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(शिवप्रसाद एम. नकाते)
जिला क्लैक्टर
श्रीगंगानगर

21

1